Ch.1. आओ हम अच्छे बने

WORK SHEET.

१क) हम छोटे क्यों नहीं बन सकते ?

उ इस देश में वीर एव महान पुरुषों ने जन्म लिया है जो अपने काम से अपने देश को महान बनाया। जिस कारण हम कभी छोटे नहीं बन सकते है।

२ख) हम अच्छे बनकर क्या कर सकते है ?

उ अच्छा नागरिक ही अच्छे व्यक्ति का निर्माण करने में सहायक हो सकता है और देश का मान बढ़ाता है।

ग) आओ हम अच्छे बनें कविता के कवि का नाम लिखिए ?

उ 'आओ, हम अच्छे बनें' कविता के कवि का नाम डॉ. सिद्धेश्वर पुराणिक है।

२घ श्रमजीवियों का देश किसे कहा गया है ?

उ श्रमजीवियों का देश भारत है।

प्र.३ हमें अच्छे बनकर क्या कर सकते हैं।

ans अच्छा नागरिक ही अच्छे भारत निर्माण में सहायक हो सकते हैं और उसकी शान बढ़ा सकता है।

प्र.४ हम कामचोर क्यों नहीं बन सकते?

ans भारत एक कर्म प्रधान देश है यहाँ के कृषक बड़े मेहनती होते हैं हम इस देश के संतान हैं इसलिए हम कामचोर नहीं ~~सकता~~ बन सकते हैं।

प्र.५ भारत देश है नीति हम नीतिहीन हो न कैसे? भाव स्पष्ट करो?

ans भारत एक नीतिप्रधान ~~देश~~ देश है। हमारे भारत में बहुत सारे महापुरुष ने जन्म लिये हैं। जैसे विवेकानंद, ~~दयानंद~~ गांधी आदि ~~जैसे~~ महान के कारण हमारे भारत का विश्व में सम्मान है उसी महान देश नीति उन ~~महा~~ महापुरुष जन्म होने के कारण हम नीतिहीन नहीं बन सकता।

४. विलोम शब्द लिखो।

अपना x ~~पराय~~ पराया

ईमान x ~~बेईमा~~ बेईमानी

नैतिक x अनैतिक

५. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए।

श्रमजीवी – भारत श्रमजीवी के देश है।

विवेक – मेरे पास कम विवेक है।

नैतिकता – ~~नहीं करें~~

हर आदमी को नैतिकता से काम करना चाहिए।